संपादकीय

अग्नि-वीरों का अग्नि-पथ

अग्निवीरों को ग्रैच्यूटी और पेंशन देने से वह बच जाएगी। कुछ हजार लोगों को अस्थायी नौकरियां भी मिल जाएगी। लेकिन क्या इस योजना का परिणाम यह नहीं होगा कि अग्निवीरों के आगे का रास्ता अग्निपथ बन जाएगा?

यह मालूम करने के लिए संभवतः शोध की जरूरत पड़ेगी कि क्या दुनिया का किसी प्रमुख देश ने अस्थायी सैनिकों के जरिए अपनी सुरक्षा का इंतजाम कर रखा है। संभवतः ऐसा नहीं होगा। और स्थिति में अब भारत जरूर ऐसा देश बनेगा, जहां सिर्फ चार साल के लिए सैनिकों की नियुक्ति होगी- ये दीगर बात है कि उन्हें सैनिक कहने के बजाय अग्निवीर कहा जाएगा। नरेंद्र मोदी सरकार की घोषित योजना के मुताबिक इन अग्निवीरों को सेना में हर क्षेत्र में और हर स्तर पर जिम्मेदारी दी जाएगी। चार साल बाद उन्हें 10-11 लाख रुपये देकर विदा कर दिया जाएगा। इस रकम का भी एक हिस्सा उनकी ही तनख्वाह से काटी गई होगी, जो 30 से 40 हजार रुपये प्रति महीने के बीच होगी। अब अगर सरकार को ये उम्मीद है कि इतनी सैलरी में उसे ऐसे जोशीले और जज्बे वाले नौजवान मिलेंगे, जो हाईटेक डिफेंस वॉरफेयर में भी भूमिका निभा सकें, तो इसे सरकार की अति आशावादिता ही कहा जाएगा।

कुछ पूर्व सैनिक अधिकारियों ने उचित ही कहा है कि सेना रोजगार देने का जरिया नहीं है। ना ही देशभक्ति या राष्ट्रवाद की भावना किसी भी देश में सैनिकों की मुख्य प्रेरणा होती है। बल्कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग वे पेशेवर भावना और काबिलियत के कारण करते हैं। कम तनख्वाह और चार साल की नौकरी वाले सैनिकों में ऐसी भावना और काबिलियत की उम्मीद कैसे की जा सकती है, इसका उत्तर सरकार को अवश्य देना चाहिए। फिलहाल, उसने कहा है कि कार्य मुक्त हुए अग्निवीरों को अर्धसैनिक बलों की नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाएगी। लेकिन संभवतः असल समस्या ही यह है कि ना तो इन बलों में और ना ही सेना में पर्याप्त नियुक्तियां हो रही हैं। जैसाकि कहा गया है, सरकार की प्रमुख चिंता कम खर्च में काम चलाने की है। तो अग्निवीरों को ग्रैच्यूटी और पेंशन देने से वह बच जाएगी। कुछ हजार लोगों को अस्थायी नौकरियां भी मिल जाएगी। बढ़ती बेरोजगारी के बीच इससे सरकार को सुर्खियां संभालने में मदद मिलेगी। लेकिन इस योजना का परिणाम यह होगा कि अग्निवीरों के आगे का रास्ता अग्निपथ बन जाएगा। अंदेशा यह है कि देश की सुरक्षा को भी आगे इसी रास्ते से गुजरना होगा।

जीएसटी परिषद की बैठक: दरों में बदलाव पर चर्चा संभव, राज्यों को क्षतिपूर्ति शीर्ष एजेंडा

नई दिल्ली

इस सप्ताह चंडीगढ़ में होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में कुछ वस्तुओं की जीएसटी दरों में बदलाव किया जा सकता है, जबकि 215 से अधिक वस्तुओं की दरों में यथास्थिति बनाए रखने के लिए फिटमेंट समिति की सिफारिशों को मान लिया जाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों की जीएसटी परिषद की 47 वीं बैठक 28-29 जून को होने वाली है। परिषद की बैठक छह महीने बाद हो रही है।

बैठक में दर को युक्तिसंगत बनाने के अलावा विपक्ष शासित राज्य राज्यों को क्षतिपूर्ति के भुगतान पर गर्मागर्म चर्चा कर सकते हैं।

कर दरों पर आधिकारियों की समिति या फिटमेंट कमेटी द्वारा प्रस्तावित दरों पर विचार किया जाएगा। समिति ने कृत्रिम अंगों और आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण पर एक समान पांच प्रतिशत जीएसटी दर लागू करने की सिफारिश की है। समिति ने रोपवे यात्रा पर जीएसटी दर को वर्तमान में 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की भी सिफारिश की है। इसके अलावा ओस्टोमी उपकरणों पर जीएसटी दर को वर्तमान में 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने का प्रस्ताव है।

इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर जीएसटी दरों पर एक स्पष्टीकरण जारी किया जाएगा, जिसके मुताबिक ईवी, चाहे बैटरी से लैस हों या नहीं, पर पांच प्रतिशत की दर से टैक्स लगेगा। जीएसटी परिषद में राज्यों के वित्त मंत्रियों के समूह की दो रिपोर्टें भी पेश की जाएंगी।

जीएसटी परिषद की बैठक में विपक्ष शासित राज्य राजस्व घाटे की क्षतिपूर्ति को जारी रखने की पुरजोर वकालत करेंगे। दूसरी ओर केंद्र ऐसे किसी कदम को तंग राजकोषीय स्थितियों का हवाला देते हुए रोकना चाहेगा। जीएसटी (माल एवं सेवा कर) क्षतिपूर्ति कोष में कमी को पूरा करने के लिए केंद्र ने 2020-21 में 1.1 लाख करोड़ रुपये और 2021-22 में 1.59 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया और राज्यों को जारी किया। उपकर संग्रह में कमी की वजह से ऐसा किया गया।

लखनऊ में जीएसटी परिषद की 45वीं बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि राज्यों को राजस्व की कमी के लिए मुआवजे का भुगतान करने की व्यवस्था अगले साल जून में समाप्त हो जाएगी। देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को एक जुलाई 2017 से लागू किया गया था और राज्यों को जीएसटी के कार्यान्वयन के कारण होने वाले किसी भी राजस्व के नुकसान के एवज में पांच साल की अवधि के लिए क्षतिपूर्ति का आश्वासन दिया गया था।

वैश्विक रुझान, कच्चे तेल, एफआईआई की चाल से इस सप्ताह तय होगा शेयर बाजारों का रुख

नई दिल्ली। शेयर बाजारों का रुख इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विदेशी संस्थागत निवेश की चाल से प्रभावित होगा। इसके साथ ही विशेषज्ञों ने कहा कि मासिक वायदा सौदों के पूरा होने के चलते भी बाजार को अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि रुपये में उतार-चढ़ाव और मानसून की प्रगति पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

स्वास्तिका इंवेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, वैश्विक बाजारों में सुधार और जिंस कीमतों में कमी के कारण दो सप्ताह की तेज गिरावट के बाद भारतीय बाजार निचले स्तरों से उबरने में कामयाब रहे। ऐसा लगता है कि ये सुधार आगे जारी रह सकता है और हम इक्विटी बाजारों में आने वाले दिनों में एक अच्छी तेजी की उम्मीद कर सकते हैं।

मीणा ने कहा, वायदा सौदों के पूरा होने के अलावा ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों और मानसून की प्रगति भी बाजार के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल, रुपये की चाल और एफआईआई का रुख, अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, हमें उम्मीद है कि जून महीने के वायदा सौदों के पूरा होने के कारण इस सप्ताह भी अस्थिरता अधिक रहेगी।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत और मानसून की प्रगति का भी बाजार पर असर होगा।

श्रीलंका में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में पेट्रोल की कीमत में 50 श्रीलंकाई रुपये और डीजल की कीमतों में 60 श्रीलंकाई रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

पड़ोसी देश में पिछले दो महीनों में तीसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ाई गई हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन विक्रेता सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी रविवार रात दो बजे से लागू हो गई है। लंका आईओसी ने भी इसी अनुपात में कीमतों में बढ़ोतरी की है।

इस बढ़ोतरी के साथ पेट्रोल की कीमत 470 श्रीलंकाई रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 460 श्रीलंकाई रुपये प्रति लीटर हो गई है।

एफपीआई की निकासी जारी, जून में भारतीय इक्विटी से अब तक 46,000 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की भारतीय इक्विटी बाजारों से निकासी जारी है। भारतीय रिजर्व बैंक और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति को कड़ा करने के बाद एफपीआई ने इस महीने अब तक लगभग 46,000 करोड़ रुपये निकाले हैं। फेडरल रिजर्व की नीतियों, कच्चे तेल की कीमतों और अस्थिर रुपये ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के रुख को प्रभावित किया। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई द्वारा 2022 में अब तक इक्विटी से शुद्ध निकासी बढ़कर 2.13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यस सिक्योरिटीज में संस्थागत इक्विटी के प्रमुख विश्लेषक हितेश जैन ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व और दूसरे प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक सख्ती, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अस्थिर रुपये के बीच अनुमान है कि एफपीआई उभरते बाजारों से दूर रहेंगे। उन्होंने कहा कि एफपीआई की आवक तभी दोबारा शुरू होगी, जब अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी रुक जाएगी।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि इसके अलावा अगर डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल का मौजूदा रुझान बना रहता है, तो एफपीआई द्वारा और अधिक बिकवाली करने की संभावना है।

आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने जून में (24 तारीख तक) इक्विटी से 45,841 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। विदेशी निवेशक अक्टूबर 2021 से भारतीय इक्विटी से लगातार धन निकाल रहे हैं। इस तरह की निकासी आखिरी बार 2020 की पहली तिमाही में देखी गई थी, जब महामारी तेजी से बढ़ रही थी।

शीर्ष 10 कंपनियों में नौ का बाजार पूंजीकरण 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

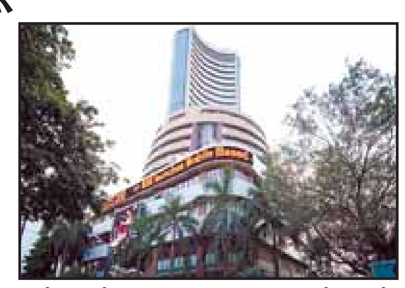

नई दिल्ली। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 2.51 लाख करोड़ रुपये बढ़ा, जिसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे आगे रही।

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,367 अंक या 2.66 फीसदी बढ़ा।

एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और आईसीआईसीआई बैंक बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे, जबकि एक मात्र रिलायंस इंडस्ट्रीज लाल निशान में रही।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अपने बाजार मूल्यांकन में 74,534.87 करोड़ रुपये जोड़े, जो शुक्रवार को करीब 12,04,907.32 करोड़ रुपये था।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 44,888.95 करोड़ रुपये बढ़कर 5,41,240.10 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 35,427.18 करोड़ रुपये बढ़कर 7,51,800.31 करोड़ रुपये और एचडीएफसी का मूल्यांकन 24,747.87 करोड़ रुपये बढ़कर 3,97,190.50 करोड़ रुपये हो गया।

इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 22,888.49 करोड़ रुपये बढ़कर 6,06,734.50 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 17,813.78 करोड़ रुपये बढ़कर 4,96,354.36 करोड़ रुपये हो गया।

भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 15,185.45 करोड़ रुपये बढ़कर 3,68,789.63 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,914.36 करोड़ रुपये बढ़कर 4,05,489.73 करोड़ रुपये हो गया।

समीक्षाधीन अवधि में एलआईसी ने 4,427.5 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर 4,18,525.10 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 59,901.07 करोड़ रुपये गिरकर 16,91,785.45 करोड़ रुपये पर आ गया।

ओलंपियन साजन प्रकाश, श्रीहरि नटराज सीडब्ल्यूजी 2022 के लिए भारतीय तैराकी टीम में शामिल

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपियन साजन प्रकाश और श्रीहरि नटराज, डेब्यूटेंट कुशाग्र रावत और अद्वैत पेज के साथ, 28 जुलाई से 8 अगस्त तक बर्मिंघम में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय तैराकी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल करने के बाद भारतीय तैराकों को चार उपलब्ध कोटा के लिए विचार किया गया था। सीडब्ल्यूजी तैराकी स्पर्धाएं 29 जुलाई से 3 अगस्त तक होंगी।

यह साजन और श्रीहरि की लगातार दूसरी राष्ट्रमंडल खेलों में उपस्थिति होगी। दोनों ने वीरधवल खाड़े के साथ गोल्ड कोस्ट 2018 में प्रतिस्पर्धा की।

रिपोर्ट के अनुसार, साजन प्रकाश, जो पिछले साल ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय तैराक बने, बर्मिंघम 2022 में पुरुषों की 50 मीटर, 100 मीटर और 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

दूसरी ओर, 21 वर्षीय श्रीहरि पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 100 मीटर और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में तैरेंगे और कुशाग्र रावत और अद्वैत पेज पुरुषों की फ्रीस्टाइल श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। विशेष रूप से, भारत ने अभी तक राष्ट्रमंडल खेलों में तैराकी पदक नहीं जीता है।

आज का राशिफल

मेष: परिजनों के सानिध्य में दिन व्यतीत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी अपेक्षित है। बुद्धिमत्ता द्वारा हर दिशा में अपने को पारंगत सावित करेंगे। मन में कुछ नयी ईच्छाएं बलवती होंगी।

बृषभ: हर रिश्ते में माता के स्वास्थ्य के प्रति कुछ चिन्ताएं होंगी। व्यावसायिक योजनाएं विफल होती नजर आएंगी। धार्मिक आस्था बढ़ेगी। अपने अनुकूल अपेक्षा आपकी सबसे बड़ी मूर्खता है।

मिथुन: देवी आराधना में मन केन्द्रित होगा। परिजनों के सानिध्य में मधुर वाणी का प्रयोग करें। भविष्य संबंधी चिन्ताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं। मन में कुछ नयी ईच्छाएं बलवती होंगी।

कर्क: आवेश व उच्छृंखलता पर नियंतण्रकरें। ईश्वरीय आस्था से मन में शांति का वास होगा। परिजनों के मध्य सब कुछ सामान्य होगा। पारिवारिक चिन्ताओं से मन ग्रसित होगा।

सिंह : किसी पुराने संबंधी से निकटता बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों के प्रति सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अन्तर्मरुखी स्वभाव को त्याग बर्हिमुखी बनें। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केन्द्रित होगा।

कन्या : कुछ नयी अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। नये दायित्वों की पूर्ति हेतु परिश्रम तीव्र होगा। संबंधों में व्यवहार कुशल बनें। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा।

तुला : भावना प्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है, लेकिन रह-रहकर भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेगी। दुविधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिक : संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। धार्मिक आस्था से मन में उत्साह का संचार होगा। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु: दूसरों की सफलता को देख अपने अन्दर हीनता न आने दें। आवेश में कुछ न बोलें। मन को ईरीय आस्था में केन्द्रित करें। अच्छा होगा कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्ठा करें।

मकर : मन की भावनाओं पर नियत्रंण कर दायित्वों के प्रति सजग रहें। धार्मिक कार्यो में मन लगेगा। महत्वपूर्ण कार्यो में आलस्य न करें परिजनों का सानिध्य मिलेगा परन्तु वाणी पर संयम रखें।

कुंभ : ईश्वरीय आस्था में मन केन्द्रित होगा। पारिवारिक व्यवस्था में समय व्यतीत होगा। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था में मन चिन्तित होगा।

मीन : देवी की आराधना में दिन व्यतीत होगा। राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा। भौतिक-सुख साधन हेतु व्यय के आसार हैं। आर्थिक चिन्ताएं मन प्रभावी होंगी। धार्मिक आस्था बढ़ेगी।

रवि तेजा की फिल्म रामाराव ऑन ड्यूटी 29 जुलाई को रिलीज के लिए तैयार

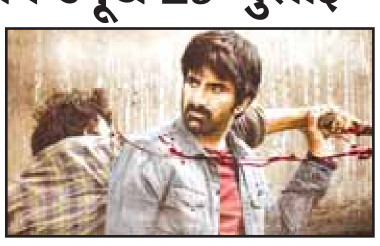

रवि तेजा की अनूठी एक्शन थ्रिलर रामाराव ऑन ड्यूटी पहले स्क्रीन पर आने वाली थी, लेकिन प्रोडक्शन संबंधी कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया।

अब जब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है तो उन्होंने इसे अपनी सोशल मीडिया वेबसाइटों के माध्यम से साझा किया।

नवोदित सरथ मंडावा द्वारा निर्देशित, रामाराव ऑन ड्यूटी 29 जुलाई को दुनिया भर में एक भव्य रिलीज होगी। चूंकि वास्तविक रिलीज की तारीख के लिए लगभग एक महीने बाकी हैं, निर्माताओं ने फिल्म को जितना संभव हो सके प्रचारित करने की योजना बनाई है।

एसएलवी सिनेमाज एलएलपी और आरटी टीमवर्क्स के तहत सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित, रामाराव ऑन ड्यूटी एक्शन और रोमांचकारी तत्वों से भरपूर होगी और रवि तेजा एक पावर-पैक भूमिका में दिखाई देंगे।

फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में दो नायिकाएं हैं। दिव्यांशा कौशिक और रजिशा विजयन। उनकी वापसी में वेणु थोट्टमपुडी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

थलापति विजय की 66वीं फिल्म वरिसु

अभिनेता विजय की बहुप्रतीक्षित 66वीं फिल्म, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं, का नाम वरिसु रखा गया है और यह पोंगल 2023 के लिए स्क्रीन पर आएगी, निर्माताओं ने घोषणा की। शीर्षक की घोषणा विजय के जन्मदिन समारोह के साथ मेल खाने के लिए की गई थी, जिसका जन्मदिन बुधवार को पड़ता है। फिल्म का शीर्षक वरिसु का अर्थ तमिल में उत्तराधिकारी या वारिस है। दिलचस्प बात यह है कि शीर्षक पोस्टर में टैगलाइन है, द बॉस रिटर्न्स। फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस ने फिल्म का टाइटल लुक ट्वीट करते हुए लिखा, द बॉस रिटर्न एंड हैशटैग-वरिसु। फिल्म की इकाई, जिसमें रश्मिका मंदाना ने मुख्य भूमिका निभाई है, ने 26 मई को घोषणा की थी कि उन्होंने एक शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है जिसमें फिल्म के लिए कई महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग की गई थी और वे जल्द ही अगला शेड्यूल शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित थी।

आम से बनाएं 'ग्वॉवा मार्गिटा'

गर्मियों में आम के इतर कुछ और ट्राय करने का मन हो तो अमरूद से मॉकटेल तैयार करें। तो देर किस बात की इस बार आप भी अमरूद से बनाएं मॉकटेल का यह अनूठा जायका और इसे पीकर तरोताजा महसूस करें।

सामग्री :

50 मिलीलीटर सोडा वॉटर, 100 मिली अमरूद का रस या जूस, 30 मिली नींबू का रस, 15 मिली शुगर सीरप, 1/2 टीस्पून चाट मसाला, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, जरा-सी टबैस्को सॉस, कुछ बर्फ के टुकड़े

ग्लास की रिम के लिए- नींबू का एक टुकड़ा, लाल मिर्च पाउडर, गार्निश के लिए नींबू

विधि :

- एक जार में सारी सामग्री एक साथ मिलाकर अच्छी तरह ब्लेंड करें। अब ग्लास की रिम को स्पाइसी टेक्सचर देने के लिए एक प्लेट में चाट मसाला, चीनी और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। ग्लास की रिम पर नींबू के टुकड़ों को पकड़कर उसकी रिम पर नींबू लगाएं। इसके बाद प्लेट में ग्लास को डिप करें। ग्लास को स्पाइसी टेक्सचर मिल जाएगा। अब इसमें ग्वॉवा के मिश्रण को ग्लास में निकालें। ऊपर से नींबू से सजाएं। अब इस स्पाइसी ग्वॉवा मार्गिटा को चिल्ड सर्व करें।

मिनटों में बनाएं- डिब्बाबंद जूस का इस्तेमाल न करें। इसके लिए अमरूद को उबालकर उसका पल्प तैयार करें। इसमें जरा सी चीनी और पानी मिलाकर होममेड जूस तैयार करें। इसके अलावा ब्लेंडर जार में अमरूद के कुछ टुकड़ों को डालकर ब्लेंड करें। इसमें पानी मिलाएं। इस तरह जूस तैयार है।

शेफ टिप्स- इस डिश में ऑरेंज जूस का इस्तेमाल किया गया है। आप इसके टेस्ट को बैलेंस करना चाहें, तो इसमें अमरूद के छोटे-छोटे चंक्स को डालें। यकीन मानें इस खट्टी-मीठी और स्पाइसी मॉकटेल का जायका आपके टेस्ट बड्स को जगा देगा।

शब्द सामर्थ्य- 115

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

1		2		3	4		5	
		6					7	8
9						10		
		11			12			
	13			14				
15		16						17
				18		19		
		20				21		
	22			23				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 114 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

सू-दोकू- 115

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.114 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6